पाठ 1. मैं सुमन हूँ

मौखिक कार्य

(क) 1. आकाश के नीचे।
2. फूल को हवा की तेज़ मार झेलनी पड़ती है।
3. रात-दिन फूल को काँटों के साथ रहना पड़ता है।
4. जो भी फूल को तोड़ता है, वह उसी के गले का हार बनने की बात कर रहा है।
5. राह पर बिछना तथा देवता पर चढ़ना, ये दोनों बातें फूल के लिए बराबर हैं।

लिखित कार्य

(ख) 1. गरमी, सरदी और बरसात को झेलने का फूल को अभ्यास है।
2. फूल, सुख-दुख में, मुश्किल में सदा मुसकराता रहता है। वह स्वयं को हानि पहुँचाने वाले का भी अहित नहीं चाहता। सबके साथ वह समान व्यवहार करता है। उसकी ये महत्वपूर्ण विशेषताएँ हैं।
3. कवि ने फूल के सुख-दुख, मुश्किलों आदि स्थितियों को व्यक्त किया है।
4. हर स्थिति में समता धारण करके फूल ने जीवन एवं कला का संतुलन बनाया।
5. 'मैं सुमन हूँ' कविता की सार्थकता हमें जीवन में सुख-दुख और अच्छे-बुरे व्यक्तियों के साथ समानता का भाव रखकर जीने की प्रेरणा देने में है।
6. इस पंक्ति के माध्यम से कवि कहना चाहता है कि हमें भी फूल की तरह हर समय कष्टदायी स्थिति और कष्टकारी लोगों के साथ होते हुए भी प्रसन्नचित्त रहना चाहिए।
7. इसे बच्चे स्वयं करें।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (क) 4. (ख) 5. (क)

(घ) 1. के कारण 2. के ऊपर 3. की ओर 4. के लिए

(ङ) 1. जातिवाचक संज्ञा 2. भाववाचक संज्ञा 3. जातिवाचक संज्ञा
4. भाववाचक संज्ञा 5. व्यक्तिवाचक संज्ञा

(च) 1. माली को देखकर फूल मुसकुराते हैं।
2. फूल रास्तों पर बिछ जाते हैं।
3. वे समस्याओं को झेलते रहते हैं।
4. अँधेरी रात में भी फूल मुसकराते रहते हैं।

(छ) इसे बच्चे स्वयं करें।

(ज) 1. गगन, अंबर 2. सुमन, कुसुम 3. अनिल, समीर 4. बारिश, बरखा
5. राह, मार्ग 6. देव, सुर

(झ) 1. तेरा 2. मुरझाना 3. अप्रसन्न 4. उजाला 5. दानव 6. असंतुलन

रचनात्मक कार्य

(ञ) 1. इसे बच्चे स्वयं करें।
अध्यापक/अध्यापिका एक-एक बच्चे की राय जानें।
2. इसे बच्चे स्वयं करें।
3. इसे बच्चे स्वयं करें।

पाठ 2. नन्हे बने महान

मौखिक कार्य

(क) 1. नन्हे का वास्तविक नाम लालबहादुर शास्त्री था।
2. नन्हे की माता का नाम रामदुलारी तथा पिता का नाम मुंशी शारदा प्रसाद वर्मा था।
3. नन्हे ने माली से कहा, "माली काका, मैं बिना बाप का बेटा हूँ, क्या इसीलिए आप मुझे पीट रहे हैं?"
4. मुगलसराय और वाराणसी के बीच गंगा नदी बहती है।
5. लालबहादुर को गीले कपड़ों में देखकर माँ ने पूछा, "तेरे कपड़े कैसे भीग गए रे, नन्हे?"
6. लालबहादुर की माँ ने उन्हें आशीर्वाद दिया कि मेरे लाल, तू एक दिन ज़रूर बड़ा आदमी बनेगा।
7. जलियाँवाला बाग हत्याकांड के बारे में सुनकर लालबहादुर का मन छटपटा उठा। उन्होंने उसी समय तय कर लिया कि वे भी आज़ादी की लड़ाई में शामिल होंगे और देश को आज़ाद कराने के लिए ज़रूरत पड़ी तो अपनी जान भी दे देंगे। देश की सेवा करने के लिए वे अपना नाम स्कूल से कटवाने के लिए भी तैयार हो गए।
8. जब लालबहादुर पहली बार जेल गए तो उनकी उम्र मात्र सोलह वर्ष थी।

लिखित कार्य

(ख) 1. माली ने नन्हे को इसलिए पीटना शुरू कर दिया क्योंकि वह अपने साथियों के साथ बाग में से फूल तोड़ रहा था।
2. माली ने नन्हे को समझाया कि बेटे, तुम्हें बिलकुल शरारत नहीं करनी चाहिए। तुम्हें अच्छी-अच्छी आदतें सीखकर अच्छा आदमी बनना चाहिए, ताकि आगे चलकर तुम्हारी माँ को तुम्हारा सहारा मिल सके।
3. इसे बच्चे स्वयं लिखें।
4. उतराई देने के लिए पैसे न होने पर लालबहादुर शास्त्री ने नदी तैरकर पार करने का निश्चय किया।
5. लालबहादुर ने कहा कि माँ, नाविक भी तो आखिर गरीब आदमी है न! मेहनत-मज़दूरी करके किसी प्रकार अपना और घरवालों का पेट पालता है। उसकी नाव पर मुफ़्त सवारी करना तो बुरी बात है न माँ! रही बात उधारी की, सो वह भी गंदी आदत है। फिर ज़रा-सी बात के लिए किसी का एहसान लेने की ज़रूरत ही क्या है?
6. जलियाँवाला बाग नामक जगह पंजाब के अमृतसर शहर में है। उस समय हमारे देश में अंग्रेज़ों का शासन था। 13 अप्रैल 1919 को जलियाँवाला बाग में एक सभा चल रही थी जिसपर अंग्रेज़ पुलिस ने एकाएक हमला कर दिया। बिना किसी प्रकार की चेतावनी दिए ही निहत्थे लोगों पर गोलियाँ चलाई गईं। हज़ारों की संख्या में बच्चे, बूढ़े व औरतें मारे गए। चारों तरफ़ लाशों के ढेर लग गए, लेकिन अंग्रेज़ों के अत्याचार में कोई कमी नहीं आई।

7. कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन में गांधी जी ने कहा कि अंग्रेज़ सरकार के साथ असहयोग किया जाए। देशभर में जुलूस निकाले जाएँ और आज़ादी की माँग की जाए।
8. लालबहादुर शास्त्री मात्र सोलह वर्ष की अवस्था में पहली बार जेल गए। अंग्रेज़ी सरकार के विरोध में निकल रहे जुलूस में भाग लेने के कारण उन्हें जेल जाना पड़ा।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (ख) 4. (ख) 5. (ख)

(घ) 1. नन्हे ने नाविक से कहा क्योंकि उसके पास नाव की उतराई देने के लिए पैसे नहीं थे और वह गरीब नाविक का नुकसान नहीं करना चाहता था।
2. माँ रामदुलारी देवी ने लालबहादुर से कहा जब लालबहादुर ने उन्हें बताया कि वह नाव पर क्यों नहीं चढ़ा। उन्हें अपने लाल की बातें सुनकर उसपर गर्व हुआ।

(ङ) इसे बच्चे स्वयं करें।

(च) 1. बुरा 2. नगद 3. जुड़ना 4. सुबह 5. उतरना 6. गुलामी

(छ) 1. बच्चा धड़ाधड़ फूल तोड़ने लगा।
2. लालबहादुर गीले कपड़ों में घर पहुँचे।
3. मदनमोहन मालवीय ने वाराणसी में भाषण दिया।
4. जगह-जगह सभाएँ हो रही थीं।
5. उस समय लालबहादुर की उम्र सोलह वर्ष थी।

रचनात्मक कार्य

(ज) 1. बच्चे अपनी सोच के अनुसार इस प्रश्न का उत्तर दें।
- केवल कल्पना के आधार पर ही इसका उत्तर देना है।
- आजकल परिस्थितियाँ भिन्न हैं, अत: बच्चे अपनी परिस्थिति के अनुकूल इसका उत्तर दें।

2. बच्चे अपनी देशप्रेम की भावना को उजागर करें।
- उत्तर छोटे-छोटे वाक्यों में लिखें।
- अच्छे और सटीक शब्दों का प्रयोग करें।

पाठ 3. हम सबका रखवाला

मौखिक कार्य

(क) 1. यह कहानी उन दिनों की है जब लोग एक देश से दूसरे देश की यात्रा समुद्री नावों से करते थे।
2. एक पारसी यात्री ने अन्य यात्रियों से यह प्रश्न पूछा था।
3. एक चीनी यात्री कॉफ़ी हाउस के एक कोने में बैठा सबकी बातें चुपचाप सुन रहा था।
4. सूरज की रोशनी के बारे में जानने के लिए उसने घंटों सूरज की ओर देखा जिसके फलस्वरूप उसकी आँखों की रोशनी चली गई।
5. लँगड़े आदमी ने कहा कि सूरज आग का एक गोला है, जो प्रतिदिन सवेरे पहाड़ों से निकलता है और शाम को दूर पहाड़ों में ही छिप जाता है।

लिखित कार्य

(ख) 1. समुद्री यात्रा के बीच में यात्री आराम और जलपान करने के लिए समुद्री तट पर रुका करते थे, क्योंकि उनकी ये यात्राएँ बहुत लंबी हुआ करती थीं।
2. हम सबका रखवाला कौन है? इस प्रश्न को लेकर यात्रियों के बीच बहस हो रही थी।
3. चीनी यात्री ने अपनी राय देने से पहले एक घटना सुनाई।
4. अंधे आदमी के सेवक ने अपना सूरज दीपक को बताया क्योंकि उसी से उसकी अँधेरी झोंपड़ी का अँधेरा दूर हुआ था और अब वह उसमें रखी हर चीज़ देख सकता था।
5. भारतीय यात्री की बात सुनकर जहाज़ के नाविक ने कहा कि सूरज कोई देवता नहीं है बल्कि यह पूर्व में जापान के द्वीपों से निकलता है और इंग्लैंड के आसपास के द्वीपों में कहीं छिप जाता है।
6. अंग्रेज़ यात्री के मित्र ने बताया कि वास्तव में सूरज पृथ्वी के चारों ओर चक्कर नहीं लगाता, बल्कि पृथ्वी सूरज के चारों ओर चक्कर लगाती है। सूरज के चारों ओर चक्कर लगाने में पृथ्वी को चौबीस घंटे लगते हैं। सूरज इस दुनिया को ही रोशनी नहीं देता, बल्कि चंद्रमा, जो रात में अपनी छटा बिखेरता है, को भी अपनी रोशनी देता है।
7. इसे बच्चे स्वयं करें।

(ग) 1. (क) 2. (क) 3. (क) 4. (ख) 5. (क)

(घ) 1. संज्ञा 2. सर्वनाम 3. अव्यय 4. क्रिया 5. विशेषण 6. सर्वनाम

(ङ) 1. अरबी 2. अनगिनत 3. आस्तिक 4. नास्तिक 5. भारतीय

(च) 1. बहुवचन 2. बहुवचन 3. एकवचन 4. एकवचन
5. बहुवचन 6. एकवचन

रचनात्मक कार्य

(छ) 1. बच्चे ईश्वर के बारे में अपने विचार लिखें।
- वे अपनी सोच से प्रश्नों का निर्माण करें।
- प्रश्न-निर्माण करना भी एक कला है।
- बच्चों को ये प्रश्न आपस में एक-दूसरे से पूछने को कहें।

2. बच्चों के स्वप्न क्या हैं, ये जानें।
- बच्चे अपने जीवन में किन चीज़ों की अपेक्षा रखते हैं, यह बताएँ।
- बच्चे आपस में इस विषय पर चर्चा न करते हुए स्वतंत्र रूप से अपने विचार लिखें।

पाठ 4. मैं भगवान नहीं हूँ

मौखिक कार्य

(क) 1. मैथ्यू हेडेन आस्ट्रेलिया के खिलाड़ी हैं।
2. सचिन ने अपना पहला टेस्ट मैच सन् 1989 में कराची के मैदान पर पाकिस्तान के विरुद्ध खेला था।
3. एकदिवसीय मैच में सचिन ने पहला शतक 9 सितंबर 1994 को बनाया था।
4. सन् 1998 में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध खेले गए मैच में सचिन ने पाँच विकेट लिए थे।
5. सचिन को 'मास्टर ब्लास्टर', 'लिटिल चैंपियन' तथा 'बॉम्बे बॉम्बर' नामों से बुलाया जाता है।

लिखित कार्य

(ख) 1. सचिन तेंदुलकर का जन्म 24 अप्रैल 1973 को मुंबई में हुआ था। उनके पिता का नाम स्वर्गीय रमेश तेंदुलकर और माता का नाम रजनी तेंदुलकर है।
2. आस्ट्रेलिया के महान खिलाड़ी मैथ्यू हेडेन ने सचिन तेंदुलकर को भारत में भगवान तुल्य माना है।
3. सचिन ने क्रिकेट का गुर रमाकांत अचरेकर जी से सीखा है।
4. सचिन ने हैरिस शील्ड प्रतियोगिता में अपने सहपाठी विनोद कांबली के साथ 664 रन की साझेदारी निभाई थी।
5. सन् 1990 में सचिन ने इंग्लैंड के विरुद्ध इंग्लैंड की ही धरती पर खेले गए टेस्ट मैच में अपना पहला शतक बनाया था।
6. सचिन ने एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैचों में अपना पहला शतक 9 सितंबर को कोलंबो (श्रीलंका) में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध खेले गए मैच में लगाया था।
7. सचिन को 'राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार', 'अर्जुन पुरस्कार', 'पदम्श्री' और 'पद्मविभूषण' जैसी उपाधियों से नवाज़ा गया है।
8. लेखक का कहना है कि जब बच्चे इस पाठ को पढ़ रहे होंगे, तब तक वे आँकड़े पुराने पड़ चुके होंगे। वैसे भी जिस खिलाड़ी ने भाग्य को अपनी मुट्ठी में कर लिया हो, उसके लिए आँकड़ों का खेल कोई मायने नहीं रखता।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (ख) 4. (ख) 5. (क)

(घ) 1. गलत 2. गलत 3. सही 4. गलत 5. सही

(ङ) 1. सम् + पूर्ण 2. विद्या + आलय 3. सर्व + अधिक 4. शारदा + आश्रम

(च) 1. शतक + ईय = शतकीय 2. दिवस + ईय = दिवसीय
3. महान + ता = महानता 4. सम्मोहन + ईय = सम्मोहनीय
5. साझेदार + ई = साझेदारी 6. राष्ट्र + ईय = राष्ट्रीय

(छ) 1. प् + उ + र् + अ + स् + क् + आ + र् + अ
2. प् + र् + अ + श् + अं + स् + अ + क् + अ
3. व् + य् + अ् + क् + त् + इ + त् + व् + अ

4. स् + अ + म् + अ + र् + प् + इ + त् + अ

(ज) 1. कि 2. की 3. की 4. कि 5. की

रचनात्मक कार्य

(झ) 1. बच्चों से इस विषय पर कक्षा में चर्चा करें।
- बच्चे इसपर वाद-विवाद भी कर सकते हैं।
- बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ेगा।
- उनके उच्चारण स्पष्ट होंगे।

2. बच्चे अपने प्रिय खिलाड़ी से मिलने की कल्पना सदैव करते हैं।
- बच्चों को काल्पनिक रूप में उनसे मिलने का अवसर दें।
- प्रश्न पूछना भी एक कला है।
- बच्चों में प्रश्न करने की कला का विकास किया जाना चाहिए।

पाठ 5. मौत के मुँह में

रचनात्मक गतिविधि – 1

(क) मौखिक अभिव्यक्ति

1. इसे बच्चे स्वयं करें।
2. बच्चे अपने-अपने विचार अभिव्यक्त करें।
   - अध्यापक/अध्यापिका केवल उनके विचार ही न सुनें, बल्कि अपने विचार भी उनके सामने रखें।
3. इससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ेगा।
   - उनके उच्चारण पर ध्यान दें।
   - उच्चारण गलत करने पर शुद्ध उच्चारण बताएँ व अभ्यास कराएँ।
4. इसे बच्चे स्वयं करें।
5. बच्चे मौखिक रूप में अपने विचार अभिव्यक्त करें।
   - प्रत्येक बच्चे को बोलने का अवसर दें।
   - बच्चे आत्मविश्वास के साथ अपने विचार बताएँ।
   - वे आपस में चर्चा भी कर सकते हैं।
6. इसे बच्चे स्वयं करें।
7. बच्चों से उनके सुझाव जानें।
   - उन्हें बताएँ कि वे अपने उत्तर के समर्थन में कारण भी दें।
   - सभी सुझावों में से महत्वपूर्ण सुझावों को श्यामपट्ट पर लिखें।

(ख) लिखित अभिव्यक्ति

1. इससे बच्चों की रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास होगा।
   - बच्चे अच्छे और सटीक शब्दों का प्रयोग करना सीखेंगे।
   - अपने भावों को अभिव्यक्त करना सीखेंगे।
2. इसे बच्चे स्वयं करें।
3. यह शब्दों का खेल है।
   - बच्चों से अपनी समझ के अनुसार शब्द बनाने को कहें।
   - बच्चों का शब्द-ज्ञान बढ़ेगा।
   - वे नए शब्दों का निर्माण करना सीखेंगे।
4. इसे बच्चे स्वयं करें।

(ग) क्रियाकलाप

1. यह पुस्तकालय से संबंधित क्रियाकलाप है।
   - बच्चों को पुस्तकालय से पुस्तकें लेकर इस विषय की जानकारी प्राप्त करने को कहें।
   - कक्षा में इस विषय पर चर्चा की जा सकती है।

2. इस क्रियाकलाप के माध्यम से बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - लालबहादुर शास्त्री तथा महात्मा गांधी का जन्म 2 अक्तूबर को हुआ था।
   - बच्चे इंटरनेट से जानकारी प्राप्त करें।
   - पुस्तकालय से पुस्तकें लेकर भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।
3. इस क्रियाकलाप से बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चे अपनी विज्ञान की पुस्तक से सहायता ले सकते हैं।
   - इंटरनेट से चित्र निकालकर उसे दोबारा बना सकते हैं।
   - बच्चों की रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए इस तरह के क्रियाकलाप कराना अत्यंत आवश्यक है।
4. यह क्रियाकलाप पुस्तकालय से संबंधित है।
   - बच्चों को खेल व खिलाड़ियों से संबंधित पुस्तकें उपलब्ध कराएँ।
   - बच्चे जान जाएँ कि किस प्रकार संघर्ष करके इन खिलाड़ियों ने विश्व में अपना स्थान बनाया है।
5. इसे बच्चे क्रियाकलाप (5) की तरह ही कर सकते हैं।

पाठ 6. धरती का आँगन

मौखिक कार्य

(क) 1. कवि के अनुसार धरती हरी-भरी और आकर्षक है। आसमान भी इसकी सुंदरता देखकर मन ही मन प्रसन्न होता है।

2. भारत की आत्मा का गौरव केवल पूरी धरती पर ही नहीं, बल्कि स्वर्ग तक फैला हुआ है।

3. भारत के लोगों ने कर्म को अपना भाग्य-विधाता माना है। कर्म ही मनुष्य को अपने लक्ष्य तक पहुँचाता है। कर्महीन व्यक्ति जीवन में कभी भी उन्नति नहीं कर सकता।

4. इस कविता के कवि सुमित्रानंदन पंत हैं।

लिखित कार्य

(ख) 1. कवि ने भू के वैभवशाली (धन-धान्य से भरे) आँचल से मनुष्य का अनादि काल से नाता बताया है। यह नाता भीतर से उपज रहे प्रेम और सद्‌भावना का नाता है।

2. कवि ने भारतवासियों की प्रशंसा करते हुए कहा है कि भारत के लोग इस धरती का खज़ाना हैं। भारतवासियों पर हृदय की पूर्ण ममता न्योछावर है। भारत में ही केवल ऐसे लोग हुए हैं, जो अपना सब कुछ दान करके भी तृप्त नहीं हुए। त्याग और तप को अपनाकर, लोगों में स्नेह को फैलाकर भारतीय लोगों ने सदैव भारत का नाम ऊँचा किया है। भारतीय लोगों की एक विशेषता यह भी रही है कि ईश्वर के प्रति उनमें अपार श्रद्‌धा है और वे परिश्रम को अपना भाग्य-विधाता मानते हैं।

3. 'वसुधैव कुटुंब' से कवि का आशय है कि हम सभी को इस धरा (पृथ्वी) को एक परिवार मानते हुए प्रेम से अपना जीवन जीना चाहिए।

4. इस कविता के माध्यम से कवि हमें यह शिक्षा देना चाहते हैं कि यह धरती एक परिवार के समान है। हमें सभी के साथ स्नेह व प्रेम का व्यवहार करना चाहिए। कर्म को ही अपने भाग्य का निर्माता मानना चाहिए तथा इस युग के नव-निर्माण में अपना पूर्ण योगदान देना चाहिए। कवि भारत के उन लोगों को महान मानते हैं, जिन्होंने त्याग और तप का वरण किया तथा अपना सर्वस्व दान कर साधारण मनुष्य का जीवन व्यतीत किया।

5. इसे बच्चे स्वयं करें।

6. 'पाठ का परिचय' में दिए गए कविता के भाव को पढ़ें।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (ख) 4. (क) 5. हृदय

(घ) 'पाठ का परिचय' में दिए गए कविता के भाव को पढ़ें।

(ङ) 1. अंबर 2. सुहागा 3. वैभव 4. दानव

(च) इसे बच्चे स्वयं करें।

(छ) 1. बलखाता, तुतलाता, बहलाता 2. थाली, जाली, खाली

3. सोएँ, ढोएँ, रोएँ 4. विधि, सिद्‌धि, ऋद्‌धि 5. चरण, हरण, तरण

(ज) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(झ) 1. बच्चे अपने विचार अभिव्यक्त करें।
- नए युग के निर्माता बनने के लिए वे किस रूप में परिश्रम करेंगे, यह बताएँ।
- वे निर्माता बनकर किस तरह का परिवर्तन लाएँगे, यह भी लिखें।
- नए युग का निर्माण कैसे होगा, यह भी बताएँ।

2. धरती हमें क्या-क्या देती है?
- धरती किस रूप में पूजनीय है?
- धरती से हमें क्या सीखना होगा?
- बच्चे अपने विचार अभिव्यक्त करें।

पाठ 7. होमवर्क का पहाड़

मौखिक कार्य

(क) 1. माधव की बुरी आदत थी कि कोई उसके पास बैठा रहे, तभी वह अपना स्कूल का काम कर पाता था।

2. माधव के पापा की तरह अब मम्मी भी काम पर जाने लगी हैं, इसलिए वह अकेला हो जाता है।

3. धीरे-धीरे माधव का बहुत दिन का होमवर्क छूट गया। उसे लगने लगा कि अब वह कोशिश करके भी कभी होमवर्क पूरा नहीं कर पाएगा इसलिए उसका छोटा-सा डर पहाड़ जैसा बड़ा बन गया।

4. होमवर्क पूरा न होने के कारण पड़ने वाली डाँट के डर से माधव स्कूल नहीं जाना चाहता था।

5. माधव को गणित विषय से डर लगता था क्योंकि उसे वह बहुत कठिन लगता था।

6. तीसरे दिन बौना आया तो माधव ने उससे कहा कि अब उसे होमवर्क में कोई मुश्किल नहीं है। परंतु अगर बौने के पास समय हो तो वह थोड़ी देर उसके साथ खेल ले।

लिखित कार्य

(ख) 1. पिछले छह महीने से माधव की मम्मी भी काम पर जाने लगी थीं। स्कूल से आने के बाद पूरे दिन माधव घर में अकेला रहता था। न उसके साथ खेलने वाला कोई होता था, न बात करने वाला और न ही होमवर्क कराने वाला।

2. स्कूल से लौटकर माधव पड़ोस की आंटी से चाबी लेकर दरवाज़ा खोलता है। कोई चिट्ठी या बिल हो तो उसे सँभालकर रखता है। फ्रिज से निकालकर पानी पीता है और खाने के नाम पर ब्रेड-बटर खा लेता है। इसके बाद वह टी॰वी॰ देखने बैठ जाता है पर मन में होमवर्क की चिंता चलती रहती है।

3. स्कूल जाते समय माधव को होमवर्क न करने के कारण पड़ने वाली डाँट की चिंता रहती थी इसलिए वह स्कूल न जाने का कोई बहाना बनाने की बात सोचता रहता था।

4. बौने ने माधव को समझाया कि वह मेहनत करे तभी उसका होमवर्क पूरा होगा।

5. बौने के जाने के बाद जब माधव ने कॉपी उठाई तो उसने महसूस किया कि जो सवाल बौने ने हल किए थे वे इतने कठिन नहीं थे। उन्हें वह स्वयं भी कर सकता था।

6. तीन दिन बाद माधव का सब होमवर्क पूरा हो चुका था। अब वह आत्मविश्वास से भरा हुआ था। अब स्कूल का काम करने में उसे आनंद आता था। उसे यह खुशी भी रहती थी कि जैसे ही काम पूरा होगा, नीली टोपी वाला बौना उसके साथ खेलने-कूदने चला आएगा।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (क) 4. (ख) 5. (ख)

(घ) 1. इन पंक्तियों में माधव की मनोस्थिति का वर्णन किया गया है। होमवर्क पूरा न कर पाने के कारण उसे स्कूल में जो डाँट पड़ती है उससे वह इतना अधिक घबरा गया है कि घबराहट के कारण उसकी आवाज़ नहीं निकलती, होंठ भी सूखने लगते हैं।

2. बौने ने जब माधव का आत्मविश्वास जगाकर उसे मेहनत करने के लिए प्रेरित किया तो उसका होमवर्क पूरा हो गया। अब उसे होमवर्क की पहाड़ जैसी बड़ी और भारी चिंता नहीं होती थी बल्कि होमवर्क करने में उसे आनंद आने लगा।

(ङ) 1. कभी-कभी अकेला बैठा-बैठा वह लूडो या कैरम बोर्ड खेलता रहता।

2. फिर फ्रिज से निकालकर पानी पीता है, हाथ-मुँह धोता है।

3. साइंस की मैडम भी जब-तब फटकारने लगती हैं।

4. माधव डरते-डरते कहता है।

5. वह थोड़ा-बहुत बताकर कहती है।

6. दो-एक सवाल किसी तरह हल करता है।

(च) 1. आ पड़ा है 2. चलती रहती है 3. कर नहीं पाएगा 4. सूख रहे होते हैं 5. कर सकता हूँ 6. मुसकुरा रहा था

(छ) 1. स्त्रीलिंग 2. पुल्लिंग 3. पुल्लिंग 4. पुल्लिंग 5. स्त्रीलिंग 6. पुल्लिंग

रचनात्मक कार्य

(ज) 1. इसे बच्चे अपनी कल्पना के आधार पर स्वयं करें। 2. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 8. माँ का साहस

मौखिक कार्य

(क) 1. मैनपुर गाँव के पास से होकर गंगा नदी बहती है।
2. जंगली जानवरों के भय के कारण लोग सूर्यास्त होते ही अपने-अपने घरों में छिप जाते थे।
3. धनराज की बहू ने बच्चे को अपने श्वसुर के पास सुला दिया।
4. बच्चे को एक भेड़िया उठाकर ले गया था।
5. लोगों ने बच्चे को पास ही ईख के खेत में रोता हुआ पाया।

लिखित कार्य

(ख) 1. मैनपुर गाँव के लोग काम-धंधों के अभाव में सुदूर स्थानों पर जाकर धनोपार्जन करते तथा अपने व अपने परिवार की उदरपूर्ति के लिए आवश्यक वस्तुएँ खरीदते। इस प्रकार वे अपना जीवनयापन करते थे।
2. एक दिन एक भेड़िया जंगल में भेड़-बकरियाँ चरा रहे चरवाहे को लेकर भाग गया था। इसी कारण मैनपुर के निवासी आशंकित थे।
3. जब धनराज की बहू अपने मुन्ने को लेने अपने श्वसुर के पास गई तो उसके श्वसुर ने कहा कि तुमने आज मुन्ने को मेरे पास सुलाया ही नहीं था। यह सुनकर वह जड़वत् खड़ी रह गई।
4. बच्चे को भेड़िये के पास देखकर लोग सोचने लगे कि यदि भेड़िये को मारने की चेष्टा की जाए तो हो सकता है कि वह क्रोध में आकर बच्चे को मार डाले। यदि उसे नहीं मारा जाता तो बच्चा मिल नहीं सकता।
5. माँ और बच्चे के बीच बड़ा ही गहरा संबंध होता है। माँ अपने बच्चे के लिए सब कुछ करने को तत्पर रहती है। बच्चे के साधारण से बुखार में माँ तड़पने लगती है। उसका हृदय रो उठता है। उसे ऐसा प्रतीत होने लगता है कि बच्चा मौत से लड़ रहा है और इस भय से वह चीत्कार करने लगती है कि बच्चे को कुछ हो न जाए।
6. इसे बच्चे स्वयं करें।

(ग) 1. (क) 2. (क) 3. (क) 4. (ख) 5. (ख)

(घ) 1. भेड़िया आदमखोर होता है। उसे आदमी का शिकार करना अच्छा लगता है। एक बार यदि उसे आदमी का शिकार मिल जाए तो वह बार-बार उसे पाना चाहता है। शिकार की तलाश में वह मनुष्य की बस्तियों तक पहुँच जाता है।
2. माँ ने जब मादा भेड़िये के सामने बैठकर अपने बच्चे की भीख माँगी तो मादा भेड़िया दूसरे ही पल उसे छोड़कर चली गई। यह देख माँ का हृदय पिघल गया। इतनी जल्दी तो इनसान भी इनसान की भाषा नहीं समझते। एक जानवर होकर भी मादा भेड़िये ने उसकी भावना को समझ लिया। तब माँ को लगा कि मनुष्यों से तो जंगली जानवर अच्छे होते हैं, जो बच्चों से इतना प्यार करते हैं।

(ङ) 1. विशेषण 2. विशेषण 3. संज्ञा
4. विशेषण 5. संज्ञा 6. विशेषण

(च) 1. घबरा जाना 2. चस्का पड़ना 3. गायब हो जाना
4. सोचने में असमर्थ हो जाना 5. जोखिम उठाना
वाक्य प्रयोग बच्चे स्वयं करें।

(छ) 1. मादा भेड़िया 2. मादा उल्लू 3. नर मछली 4. नर मक्खी
5. मादा खटमल 6. मादा तोता

(ज) 1. शाम ढल जाने के बाद अँधेरा हो गया था।
2. माँ ने धैर्य से काम लिया।
3. किसी की बुद्धि काम नहीं कर रही थी।
4. उसने अपनी जान की बाज़ी लगा दी।
5. इस गाँव के पास से होकर गंगा बहती है।

रचनात्मक कार्य

(झ) बच्चे अपने विचार अभिव्यक्त करें।
- प्रत्येक बच्चा अपना स्वतंत्र उत्तर लिखे।
- लिखते समय भाषा पर ध्यान दें।
- नए शब्दों का प्रयोग भी करें।

पाठ 9. पिता का न्याय

मौखिक कार्य

(क) 1. पांचाल देश की राजकुमारी रूप और गुण में अद्‌वितीय थी।

2. केशनी ने ऋषिकुमार सुधन्य से आत्मा के संबंध में जितने भी प्रश्न किए, उसने सबका ठीक-ठीक उत्तर दे दिया। फलतः केशनी ने सुधन्य से विवाह करने का निश्चय किया।

3. केशनी और सुधन्य के विवाह की बात पर सभी को आश्चर्य इसलिए हुआ क्योंकि केशनी एक राजपुत्री थी और सुधन्य एक निर्धन ऋषिकुमार।

4. केशनी ने विरोचन से कहा कि कल प्रातःकाल सुधन्य और तुम यहाँ आ जाओ। दोनों के बीच वाद-विवाद होगा। वाद-विवाद में जो विजयी होगा, मैं उसी के साथ विवाह करूँगी, पर जो हार जाएगा उसे दूसरे के चरण धोने पड़ेंगे।

5. विरोचन तीव्रगामी घोड़ों वाले सुंदर रथ पर बैठकर आया था, इसलिए जल्दी पहुँच गया और सुधन्य, चूँकि गरीब था, इसलिए पैदल आया था। अतः उसे पहुँचने में देर हो गई।

6. विरोचन अपने तर्कों में धन को महत्व दे रहा था और सुधन्य ज्ञान को महत्व दे रहा था।

लिखित कार्य

(ख) 1. केशनी ने अपने विवाह की शर्त रखी कि वह उसी व्यक्ति के साथ विवाह करेगी जो आत्मा को जानता हो अथवा आत्मा को जानने में रुचि रखता हो। केशनी ने यह शर्त इसलिए रखी क्योंकि वह ज्ञान को महत्व देती थी, धन को नहीं।

2. विरोचन ने केशनी से कहा कि ऋषिकुमार सुधन्य के साथ विवाह करके तुम्हें कौन-सा सुख मिलेगा? वह तो निर्धन है। तुम मुझसे विवाह कर लो। मेरे साथ विवाह करने से तुम्हें अपार सुख प्राप्त होगा।

3. केशनी ने विरोचन से कहा कि मैं सांसारिक सुखों के लिए विवाह नहीं कर रही हूँ। मैं विवाह कर रही हूँ एक सुंदर हृदय वाले जीवन-साथी को प्राप्त करने के लिए जो ज्ञानवान और विचारवान हो।

4. विरोचन वाद-विवाद में धन को महत्व दे रहा था। उसके अनुसार बिना धन के जीवन व्यर्थ है। मनुष्य को धन के संग्रह के लिए ही सदैव प्रयत्न करना चाहिए लेकिन सुधन्य धन को नहीं, ज्ञान को महत्व दे रहा था। उसके अनुसार धन तो नाशवान होता है और नाशवान वस्तु का संग्रह नहीं करना चाहिए। संग्रह उसी वस्तु का करना चाहिए, जिसका विनाश न हो। सुधन्य के अनुसार आत्मा का ज्ञान ही सर्वश्रेष्ठ है।

5. विरोचन के पिता की नज़रों में सुधन्य ही श्रेष्ठ था। उसका कथन ही उन्हें सत्य लग रहा था, पर उनके मन को पुत्र-मोह जकड़े हुए था। इसलिए उनकी जिह्वा विरोचन के विरुद्‌ध निर्णय देने में सकुचा रही थी।

6. इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि अच्छे विचारों के लोग धन को महत्व न देकर, ज्ञान को ही महत्व दिया करते हैं। धन नाशवान है, नाश होने वाली वस्तु

का संग्रह कभी नहीं करना चाहिए। संग्रह उसी वस्तु का करना चाहिए, जिसका विनाश न हो। वह वस्तु आत्मा के ज्ञान को छोड़कर और कुछ नहीं है।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (ख) 4. (क) 5. (क)

(घ) 1. सुधन्य ने विरोचन से कहा, जब विरोचन वाद-विवाद में हारकर उसके पैर धोने के लिए झुका।

2. केशनी ने विरोचन से कहा, जब विरोचन ने उसे सुधन्य से विवाह न करके अपने-आप से विवाह करने को कहा।

(ङ) 1. मनुष्य के लिए ज्ञान ही सर्वश्रेष्ठ है। ज्ञान उसके साथ सदा रहता है। ज्ञान उसका अनेक जन्मों तक साथ देता है। अत: मनुष्य को चाहिए कि वह ज्ञान का संग्रह करे। नाशवान वस्तु का संग्रह करना तो मूर्खता ही होती है। आत्मा का ज्ञान मनुष्य को जन्म और मृत्यु के चक्कर से छुटकारा दिलाता है।

2. आपस में समान व्यक्तियों का साथ ही अधिक देर तक निभता है। असमानता, चाहे वह सोच की हो या धन की, अधिक देर तक साथ नहीं रहती। ऋषिपुत्र सुधन्य ने विरोचन के पास बैठने से इसीलिए मना कर दिया, क्योंकि दोनों में किसी भी रूप में समानता नहीं थी। विरोचन धन को महत्व देता था और सुधन्य आत्मा के ज्ञान को।

(च) 1. ऋषिकुमार – ऋषि का कुमार – तत्पुरुष समास
2. वाद-विवाद – वाद और विवाद – द्वंद्व समास
3. रूप-गुण – रूप और गुण – द्वंद्व समास
4. घुड़सवार – घोड़े पर सवार – तत्पुरुष समास
5. राजभवन – राजा का भवन – तत्पुरुष समास
6. आदर-सत्कार – आदर और सत्कार – द्वंद्व समास
7. धन-संपदा – धन और संपदा – द्वंद्व समास

(छ) 1. अद्वितीय, अमर 2. विवाद, विज्ञान 3. नि:संदेह, नि:शब्द
4. आजीवन, आमरण

(ज) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(झ) 1. बच्चों को कहानी लिखने का अभ्यास इसी प्रकार कराया जाना चाहिए।
- बच्चों की कल्पनाशक्ति को बढ़ाया जाना चाहिए।
- बच्चों को इस प्रश्न का उत्तर मौखिक रूप से कक्षा में देने को कहें।
- जिस बच्चे का स्तर सबसे अच्छा लगे उसकी सराहना की जाए।
- सभी बच्चे कहानी के अंत को बदलकर लिखें।

2. कक्षा में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाए।
- बच्चे पक्ष और विपक्ष में अपने-अपने विचार व्यक्त करें।
- वे धन और ज्ञान के महत्व को प्रतिपादित करें।
- वाद-विवाद प्रतियोगिता के आयोजन से बच्चों की मौखिक अभिव्यक्ति का विकास होगा।
- विचारों का आदान-प्रदान संभव हो पाएगा।

पाठ 10. भारत के प्रमुख पर्वत

रचनात्मक गतिविधि – 2

(क) मौखिक अभिव्यक्ति

1. बच्चे इस कविता को कंठस्थ करें।
   - कविता को समूहगान के रूप में गाएँ।
   - कुछ बच्चे वाद्य-यंत्र भी बजा सकते हैं।
   - बच्चों के उच्चारण पर ध्यान दें।
2. बच्चे अपने विचार अभिव्यक्त करें।
   - देश के लिए वे क्या कर सकते हैं, इसपर चर्चा करें।
3. चर्चा में प्रत्येक बच्चे के विचार जानें।
4. बच्चे इंटरनेट से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
   - वे अपने विचार कक्षा के सभी विद्यार्थियों के साथ बाँटें।
   - आज क्या प्रयत्न हो रहे हैं? इन प्रयत्नों में क्या कमी है? आगे किस तरह के प्रयत्न होने चाहिए? इन प्रश्नों पर चर्चा करें।
5. बच्चे अपने विचार अभिव्यक्त करें।
   - बच्चे इस विषय पर वाद-विवाद करें।
   - पक्ष तथा विपक्ष में अपने विचार व्यक्त करें।
   - अध्यापक/अध्यापिका भी अपने विचार अभिव्यक्त करें।

(ख) लिखित अभिव्यक्ति

1. प्रकृति हमें क्या-क्या देती है?
   - ये वस्तुएँ किस रूप में प्राप्त होती हैं, यह भी लिखें।
   - अध्यापक/अध्यापिका कक्षा में चर्चा कर कुछ महत्वपूर्ण बिंदु श्यामपट्ट पर लिख दें।
2. बच्चे अपनी रुचि के कवि और कहानीकार के बारे में जानें।
   - इसके लिए वे पुस्तकालय का सहारा ले सकते हैं।
   - अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को कुछ विशिष्ट साहित्यकारों के नाम से परिचित कराएँ।
3. बच्चे सौ शब्दों में एक छोटी-सी कहानी लिखें।
   - बच्चों से पहले कहानी से संबंधित चर्चा भी की जा सकती है।
   - बच्चे अपने विचारों को सरल शब्दों में किस प्रकार अभिव्यक्त कर सकते हैं, ये समझाएँ।
4. आजकल जानवरों के शिकार पर रोक है।
   - एक समय था जब जानवरों का शिकार किया जाता था।
   - जानवरों का शिकार करना अच्छा काम नहीं है।
   - बच्चों को इस संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करने को कहें।

5. इस गतिविधि से बच्चों की शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चे इस कहानी का नाट्य रूपांतरण करें।
   - इसके संवाद लिखें और अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत करें।
   - इससे बच्चों में आत्मविश्वास जागेगा।

(ग) क्रियाकलाप

1. इसे बच्चे स्वयं करें।
   - जिन बच्चों के चित्र व नारे सबसे अच्छे हों, उन्हें कक्षा के बोर्ड पर लगवाएँ।
   - स्कूल में एक अभियान भी चलाया जा सकता है।
   - उस समय ये चित्र बच्चे हाथ में 'कार्ड' की तरह लेकर चलें तथा सभी को धरती का संरक्षण करने के लिए प्रोत्साहित करें।
2. इस क्रियाकलाप से बच्चों की संगीत एवं लय संबंधी तथा शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चे किसी भी कवि की कविता याद करके आएँ।
   - कविता भिन्न-भिन्न तरह से गाकर कक्षा में सुनाएँ।
   - कविता को पढ़ने और सुनने से उनमें साहित्य के प्रति रुचि जागेगी।
3. इस क्रियाकलाप से बच्चों की शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चे चर्चा आयोजन से परिचित हैं।
   - बच्चों को अपने विचार रखने के लिए प्रेरित करें।
   - चर्चा करते समय बच्चों के द्वारा बोले जा रहे शब्दों के उच्चारण पर ध्यान दें।
4. इसे बच्चे स्वयं करें। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
5. बच्चों को अभिनय के लिए प्रेरित करें।
   - अभिनय के लिए अभ्यास पर कक्षा में चर्चा करें।

   पिछले पाठों में बच्चों को संवाद लिखने की कला का ज्ञान दिया जा चुका है।
   - बच्चे कहानी के किसी एक अंश को लेकर संवादों में परिवर्तित करें।
   - चार-चार बच्चों के समूह बना दिए जाएँ।
   - बच्चे संवादों को लिखकर मौखिक रूप में पूर्ण हाव-भाव सहित कक्षा में प्रस्तुत करें।

पाठ 11. प्रताप

मौखिक कार्य

(क) 1. 1540 में।
2. बाल्यकाल से प्रताप को एक ही बात खटकती थी कि भारत-भूमि विदेशियों की दासता की जंज़ीरों में जकड़ी सिसक रही है।
3. अकसर प्रताप राणा कुंभा द्वारा निर्मित विजय-स्तंभ की ओर निकल जाता था।
4. युवक को अन्य गड़रियों के साथ छोड़कर प्रताप ने तेज़ी से मुगल-सैनिकों के पीछे अपना घोड़ा दौड़ाया।
5. प्रताप ने बचपन में ही यह सिद्ध कर दिखाया था कि बाप्पा रावल की संतान का सिर किसी भी स्थिति में किसी के आगे नहीं झुक सकता।

लिखित कार्य

(ख) 1. प्रताप का चौड़ा माथा और बड़ी-बड़ी आँखें बचपन से ही इस बात का संकेत दे रही थीं कि आगे चलकर उन्हें एक ओजस्वी और साहसिक जीवन व्यतीत करना है।
2. राणा उदयसिंह ने अपने बाद प्रताप के सौतेले छोटे भाई जगमल को उत्तराधिकारी बनाने का निर्णय लिया। प्रताप को इसका कोई दुख न हुआ। न उन्होंने इसका विरोध किया। श्रीराम के राज-त्याग के आदर्श को उन्होंने अपने सामने रखा।
3. प्रताप विजय स्तंभ को प्रणाम कर संकल्पपूर्वक कहा करता था, "मैंने वीर क्षत्राणी का दुग्ध पान किया है। मेरे रक्त में महाराणा सांगा का ओज प्रवाहित है। ऐ चित्तौड़ के विजय स्तंभ, मैं तुम्हारे सम्मुख इस मातृभूमि की स्वतंत्रता की शपथ लेता हूँ और विश्वास दिलाता हूँ कि तुम सदा उन्नत और सिसौदिया गौरव के विजय प्रतीक बने रहोगे। मेरे रहते शत्रु तुम्हें अपने स्पर्श से अपवित्र नहीं कर सकते।"
4. राणा सांगा को आदर्श मानकर प्रताप उनके दिल्ली-विजय के स्वप्न को सत्य में रूपांतरित करने की बात कहता था।
5. गड़रियों ने दरबार में आकर उदयसिंह को बताया कि वे शहर के बाहर पहाड़ी पर अपनी भेड़-बकरियाँ चरा रहे थे कि तभी लगभग दर्जन भर मुगल सैनिक वहाँ आए और उन्हें घायल करके उनकी भेड़-बकरियों को हाँककर ले गए।
6. मुगल सैनिकों के पास पहुँचकर प्रताप ने उनमें से अधिकांश को मार डाला, कुछ जान बचाकर भाग गए।
7. महाराणा उदयसिंह को जब प्रताप द्वारा मुगल सैनिकों से युद्ध करने और गड़रियों की मदद करने की बात पता लगी तो उन्होंने गर्व का अनुभव किया।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (क) 4. (क) 5. (ख)

(घ) 1. स्वदेश 2. राणा सांगा 3. राजसभा 4. शांतिपूर्वक 5. घोड़े 6. गड़रिये

(ङ) 1. कर्म कारक 2. अधिकरण कारक 3. संबंध कारक 4. कर्ता कारक
5. करण कारक 6. करण कारक 7. संबंध कारक

(च)

विशेषण	विशेष्य
1. पितृभक्त	प्रताप
2. प्रथम	पुत्र
3. कुछ	सिपाही
4. चौदह वर्षीय	प्रताप
5. एक	पहाड़ी
6. उस	युवक
7. बालक	प्रताप

(छ) 1. बंगलुरु 2. वाराणसी 3. अयोध्या 4. गुवाहाटी 5. चेन्नई 6. पटना

(ज) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(झ) 1. बच्चे इंटरनेट तथा पुस्तकालय की सहायता ले सकते हैं। उन्हें बाल वीरता पुरस्कारों के विषय में बताएँ।

2. इसे बच्चे स्वयं करें।
   - इससे बच्चों को ऐतिहासिक कहानी या तथ्यों की खोज करने की प्रेरणा मिलेगी।
   - उनमें कहानी या घटना सुनाने की कला का विकास होगा।
   - उनसे सुनते समय घटना में आए प्रसंगों के क्रम पर ध्यान दें।
   - बच्चों के उच्चारण की शुद्धता पर ध्यान दें।

पाठ 12. पारसमणि

मौखिक कार्य

(क) 1. पाठ की शुरुआत में रवींद्रनाथ ठाकुर की एक प्रसिद्ध रचना का वर्णन है।
2. भगवान ने मनुष्य से कहा कि जाओ, अमुक जगह पर एक साधु रहता है, उससे मिलो। उसके पास हीरा है, उसे ले लो।
3. संसार में साधु, संत और महात्मा लोग हीरे से भी मूल्यवान वस्तु को पाने की चेष्टा करते हैं। वे अपनी आत्मा को ऊँचा उठाते हैं। अपनी बुराइयों को दूर करने का प्रयत्न करते हैं और अपने सामने सदैव ऊँचा उद्‌देश्य रखते हैं।
4. खरा आदमी वह है, जो अपनी बुराइयों को दूर करता है और नीति का जीवन बिताते हुए अपने समाज और देश के काम आता है। ऐसा मनुष्य सबको प्रेम करता है और सबके सुख-दुख में काम आता है।
5. देवदूत उन लोगों के नाम लिख रहा था, जो भगवान को प्यारे हैं।

लिखित कार्य

(ख) 1. साधु ने कहा कि हाँ, ठीक है! जाओ, वहाँ नदी के किनारे, पेड़ के नीचे हीरा पड़ा है, उसे ले लो।
2. हीरे को पाकर उस आदमी के मन में विचार आया कि साधु ने इसे यों ही क्यों डाल रखा है? ज़रूर उसके पास इस हीरे से भी मूल्यवान कोई वस्तु है, जिसने ऐसी अनमोल वस्तु को मिट्‌टी के मोल बना दिया है।
3. अमेरिका में लोगों के जीवन में सहजता नहीं है। उनके जीवन में अधिक उलझनें हैं। अत: उन्हें रात को नींद नहीं आती और वे नींद की दवा लेकर सोते हैं।
4. गांधी जी ने जीवन का आनंद पाने के लिए सारे आडंबर त्यागकर सादगी का जीवन बिताया।
5. खरा बनने का अर्थ है अपनी बुराइयों को दूर कर नीति का जीवन बिताना। देश, समाज और मानवता के काम आना।
6. गांधी जी ने कहा था कि सेवा की बड़ी महिमा है। धन से तुम लोगों को अपनी ओर खींच सकते हो, लेकिन सारी दुनिया को तो सेवक ही जीत सकता है। अत: सेवा-भाव सर्वोपरि है।
7. रवींद्रनाथ ठाकुर, भगवान बुद्‌ध, भगवान महावीर, महात्मा गांधी, अबू बिन आदम।

(ग) 1. (क) 2. (क) 3. (क) 4. (क) 5. (क)

(घ) 1. धन मनुष्य को शारीरिक सुख दे सकता है लेकिन मन की शांति तो ईश्वर से लौ लगाकर ही प्राप्त की जा सकती है। दीन-दुखियों की सेवा करना, मुश्किल में पड़े लोगों की सहायता करना तथा किसी बीमार की तीमारदारी करना ही ईश्वर को प्राप्त करने का सच्चा रास्ता है।
2. सादगी का जीवन सर्वश्रेष्ठ है। जब मनुष्य धन के पीछे भागने लगता है तो वह सब कुछ भूल जाता है। ऐसे में वह दीन-दुखियों की न तो सहायता करता

है और न ही किसी के दुख-दर्द को समझता है। लेखक ने महात्मा गांधी का उदाहरण देकर यह स्पष्ट किया है कि यदि वे चाहते तो वे भी धन कमा सकते थे, लेकिन इन परिस्थितियों में वे उस सम्मान को नहीं पा सकते थे, जो उन्हें आज मिलता है।

(ङ) 1. सादगीवाला 2. बुरा 3. शारीरिक 4. कीमती 5. बुद्धिमान 6. आनंदित

(च) 1. सबसे दुर्लभ 2. बड़ा कीमती 3. सारे 4. अधिक बड़ा 5. अधिक मूल्यवान

(छ) 1. गले का हार, पराजय 2. डंडा, सज़ा 3. संसार, कुएँ की मेड़
4. पन्ना, पिछला 5. किनारा, बाण

(ज) 1. यह एक प्रसिद्ध रचना थी।
2. पेड़ के नीचे सचमुच बड़ा कीमती हीरा पड़ा था।
3. किसी विद्वान ने ठीक ही लिखा था।
4. इसके लिए बड़ी साधना की आवश्यकता होती थी।
5. वह अपनी बुराइयों को दूर करता था।

रचनात्मक कार्य

(झ) 1. बच्चे अपने विचार बताएँ।
- बच्चों को अध्यापक/अध्यापिका द्वारा यह समझाया जाए कि धन का जीवन में उतना महत्व नहीं, जितना आम लोग मानते हैं।
- बच्चों से उनके उत्तर के पक्ष में कारण अवश्य जानें।
- बच्चों को अपने-अपने विचारों को लिखकर भी स्पष्ट करने को कहें।

2. बच्चों को पारसमणि के सही अर्थ से परिचित करवाएँ।
- गांधी जी की पारसमणि ने लोगों के हृदय को उनके वश में किया तथा वास्तविक पारसमणि जिसे भी छू जाए वह सोने का हो जाता है।
- बच्चे अपने विचार व्यक्त करें।
- उन्हें धन से प्यार है या सच्ची राह पर चलने की इच्छा से, इसे जानें।

पाठ 13. दोहावली

मौखिक कार्य

(क) 1. हमें उनका दुख बाँट लेना चाहिए। उनपर हँसना नहीं चाहिए।
2. मधुर वचन से बड़े से बड़े व्यक्ति का अभिमान या गुस्सा भी समाप्त हो जाता है।
3. वे लोग उत्तम प्रकृति के होते हैं, जिनपर कुसंग का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

लिखित कार्य

(ख) 1. कवि रहीम हमें अपने मन की व्यथा अपने पास ही रखने के लिए इसलिए कहते हैं क्योंकि दूसरों के सामने कहने पर लोग हमारा दुख बाँटेंगे नहीं, बल्कि हम पर हँसेंगे।
2. कवि इस उदाहरण के द्वारा समझाना चाहते हैं कि उत्तम प्रकृति के लोगों पर कुसंगति का प्रभाव नहीं पड़ता। चंदन पर सर्प लिपटे रहने के बावजूद भी चंदन पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता।
3. सम्मान कम होने पर हमें उस जगह पर और नहीं रुकना चाहिए।
4. दूध के उफ़ान की तुलना कवि ने लोगों के अभिमान से की है।
5. हमें सोच-समझकर इसलिए बोलना चाहिए क्योंकि बिना सोचे-समझे बोलने से दूसरे लोगों को कष्ट हो सकता है। रहीम जी ने बोली को अमूल्य बताया है।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (ख) 4. (क) 5. (क)

(घ) 1. व्यथा 2. लेंगे 3. कोई 4. सरोवर 5. शरीर 6. परमार्थ

(ङ) इसे बच्चे स्वयं करें।

(च) 1. प्रकृति + इक = प्राकृतिक 2. अभिमान + ई = अभिमानी
3. ठहर + ना = ठहरना 4. शीतल + ता = शीतलता

रचनात्मक कार्य

(छ) बच्चे अपने घर आए अतिथि के बारे में बताएँ।
- अतिथि देवता के समान होते हैं।
- अतिथि कब अच्छे लगते हैं?
- अतिथि कब बुरे लगते हैं?
- अतिथि का सत्कार किस प्रकार करना चाहिए?
- अतिथि बनकर जाना तुम्हें कैसा लगता है?
- इन सभी प्रश्नों पर कक्षा में विचार करें।

पाठ 14. प्लास्टिक प्रदूषण

मौखिक कार्य

(क) 1. मानव के विकास के कारण उसका जीवन अनेक सुख-सुविधाओं से संपन्न हुआ।
2. संपूर्ण मानव-जाति प्रदूषण के कारण खतरे में पड़ रही है और पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है।
3. वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण तथा प्लास्टिक प्रदूषण।
4. प्लास्टिक प्रदूषण का सबसे बड़ा स्रोत घरेलू कचरा है।
5. प्लास्टिक कचरा नालों तथा सीवर के रास्ते नदियों में पहुँचता है।

लिखित कार्य

(ख) 1. जीवन के विकास के क्रम में मानव को पर्यावरण में बढ़ रहे प्रदूषण के खतरे को झेलना पड़ रहा है।
2. हमारे चारों ओर जो कुछ भी अवस्थित है वह सब कुछ हमारा पर्यावरण है। मछलियों के लिए चारों ओर फैला जल उनका पर्यावरण है तो जंगल में रहने वाले जानवरों के लिए पेड़-पौधे, मिट्टी, घास-फूस उनका पर्यावरण है।
3. प्लास्टिक का अपघटन न होने से हमारे पर्यावरण में प्लास्टिक की मात्रा लगातार बढ़ती जा रही है। प्लास्टिक के दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे प्रयोग ने मुश्किलें और भी बढ़ा दी हैं।
4. घरेलू कचरे में प्लास्टिक के अतिरिक्त, बचे-खुचे खाद्य-पदार्थ, फल-सब्ज़ियाँ, कागज, रद्दी अखबार, पुराने वस्त्र, सीमेंट, लकड़ी आदि होते हैं।
5. प्लास्टिक कचरे का प्राकृतिक रूप से अपघटन न हो पाने के कारण इससे छुटकारा नहीं मिल पाता। न ही इसे जलाया जा सकता है। ज़मीन में दब जाने पर प्लास्टिक कचरा मिट्टी की जल-संरक्षण क्षमता पर बुरा प्रभाव डालता है और मिट्टी पानी को संचित नहीं रख पाती। फलस्वरूप मिट्टी की उर्वरा-शक्ति कम हो जाती है। मिट्टी में रहने वाले जीवों को भी यह विपरीत रूप से प्रभावित करता है। यही कारण है कि यह प्लास्टिक कचरा सैकड़ों वर्षों तक मिट्टी में दबा रहकर हमारी भूमि को प्रदूषित करता रहता है।
6. प्लास्टिक कचरे के कारण नगरों में सीवर व्यवस्था भी बाधित होती है। सीवरों का प्लास्टिक कचरों से जाम होना तथा साधारण-सी बारिश में ही जल-भराव होने की समस्या बड़े शहरों में आम हो गई है।
7. प्लास्टिक के पुनर्चक्रण को निश्चित रूप से बढ़ावा देना चाहिए। यदि हमें पृथ्वी को प्रदूषण से बचाना है तो ऐसा करना ही होगा अन्यथा इसका अंत निश्चित है।

(ग) 1. (क) 2. (क) 3. (क) 4. (क) 5. (ख)

(घ) 1. पर्यावरण 2. प्रदूषण 3. अपघटन 4. जल-संरक्षण 5. पुनर्चक्रण

(ङ) 1. हमारे चारों ओर जो कुछ भी अवस्थित है वह सब कुछ हमारा पर्यावरण है। मछलियों के लिए चारों ओर फैला जल उनका पर्यावरण है तो जंगल में रहने वाले जानवरों के लिए पेड़-पौधे, मिट्टी, घास-फूस उनका पर्यावरण है।

2. प्लास्टिक निर्मित वस्तुओं के दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे उपयोग और प्रयोग ने मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। जीवन का कोई भी क्षेत्र क्यों न हो, बस प्लास्टिक और सिर्फ़ प्लास्टिक से बनी वस्तुएँ ही दिखाई देती हैं। एक ओर तो पुराने प्लास्टिक का विनाश नहीं हो पाता और दूसरी ओर प्रतिदिन लाखों टन नए प्लास्टिक का उत्पादन होना – इस कारण से हमारी पृथ्वी प्लास्टिक कचरे के बोझ तले दबती जा रही है।

(च) 1. बहुत 2. सबसे 3. बहुत 4. बहुत 5. बड़ी 6. कुछ
वाक्य बच्चे स्वयं बनाएँ।

(छ) 1. खेत में गधे और घोड़े एक साथ खड़े थे।
2. मैं बाज़ार गया और मैंने फल खरीदे।
3. वह हमेशा दुख और परेशानी में घिरा रहता है।
4. नालों और सीवरों के रास्ते कचरा नदी में पहुँचता है।
5. हम अपनी आदत बदलें और प्लास्टिक के प्रयोग पर रोक लगाएँ।

रचनात्मक कार्य

(ज) 1. बच्चे अपने विचार अभिव्यक्त करें।
- प्रदूषणरहित दुनिया की कल्पना करें।
- ऐसा करने से बच्चों में पर्यावरण को प्रदूषणरहित बनाने की भावना जागेगी।

2. बच्चे अपने विचार अभिव्यक्त करें।
- दुनिया को प्रदूषणरहित कैसे बनाया जा सकता है, इसपर अपने विचार बताएँ।
- 'प्रदूषण दूर करें।' अभियान चलाया जाए।

पाठ 15. हमारे वीर जवान

रचनात्मक गतिविधि – 3

(क) मौखिक अभिव्यक्ति

1. बच्चों को वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले बच्चों के बारे में बताएँ। उन बच्चों की सच्ची कहानियाँ पुस्तकालय या इंटरनेट से उपलब्ध करवाएँ।
2. बच्चों को अबू बिन आदम के जीवन से संबंधित पुस्तकें उपलब्ध कराएँ।
   - बच्चे उन्हें पढ़ें व अपनी कॉपी में पाँच पंक्तियों में उनकी विशेषताएँ लिखें।
3. बच्चों के उच्चारण पर ध्यान दें।
   - बच्चों को प्रोत्साहित कर उनका आत्मविश्वास बढ़ाएँ।
   - कक्षा में दोहा गायन प्रतियोगिता का आयोजन करें।
4. कक्षा में पर्यावरण प्रदूषण पर चर्चा करें।
   - पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए सभी बच्चे अपने-अपने सुझाव दें।
5. प्रकृति की आज की स्थिति पर चर्चा करें।
   - प्रकृति को किस प्रकार प्रदूषणरहित किया जा सकता है?
   - बच्चे इस अभियान में अपना क्या योगदान दे सकते हैं, इस विषय पर चर्चा करें।

(ख) लिखित अभिव्यक्ति

1. यह पुस्तकालय से संबंधित गतिविधि है।
   - बच्चों को देशभक्त वीरों से संबंधित पुस्तकें उपलब्ध कराएँ।
   - उन्हें स्वतंत्रता सेनानियों तथा कारगिल युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों के बारे में बताएँ।
2. इसका उत्तर बच्चे स्वयं लिखें।
3. यह पुस्तकालय से संबंधित गतिविधि है।
   - बच्चों को मदर टेरेसा के जीवन से संबंधित पुस्तकें उपलब्ध कराएँ।
   - बच्चों को उनके चरित्र की विशेषताएँ लिखने को कहें।
4. बच्चों से सूची तैयार करवाएँ।
   - अगर संभव हो तो उन्हें वृद्धाश्रम ले जाएँ।
   - ऐसी जगह जाकर बच्चे जीवन की सच्चाई को अपने सामने साक्षात देख पाएँगे।
5. बच्चों को औपचारिक पत्र का नमूना बताएँ।
   - इसे श्यामपट्ट पर लिख दें।
   - बच्चों को विषय से अवगत कराएँ।
   - बच्चे पत्र सही रूप में लिखना सीख लें, यह ध्यान रखें।

(ग) क्रियाकलाप

1. इस क्रियाकलाप से बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

- बच्चे ऐसे चार्ट तैयार करें।
- उन चार्टों में से सबसे अच्छे दो चार्ट कक्षा में टाँगें।
- बच्चों को अच्छे आदर्श देना आवश्यक है।
- ऐसे चित्र व विशेषताएँ बच्चों का मार्गदर्शन करते हैं।

2. बच्चों को बाबा आम्टे के जीवन से संबंधित पुस्तकें उपलब्ध कराएँ।
   - बच्चों से उनके जीवन के बारे में चर्चा करें।
3. जानकारी को एक क्रम से लगाकर फ़ाइल में रखें।
   - इसे परियोजना कार्य की तरह भी करवाया जा सकता है।
4. बच्चे अपनी पसंद के दोहे याद करें।
   - सभी बच्चे अलग-अलग या एक साथ दोहा सुनाएँ।
5. यह क्रियाकलाप विद्यालय व कक्षा में करवाएँ।
   - इससे बच्चों में पर्यावरण के प्रति सजगता आएगी।
   - बच्चों के मन में प्रकृति के प्रति प्रेम जागेगा।
   - पर्यावरण को प्रदूषणरहित बनाने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने की आवश्यकता है, यह बच्चों को समझाना है।
6. क्रियाकलाप (5) की तरह करें।
7. क्रियाकलाप (5) की तरह करें।

पाठ 16. नमक की मिठास

मौखिक कार्य

(क) 1. सेठ की तीन बेटियाँ थीं। उनके नाम थे – सुनयना, सुप्रिया और सुगंधा।
2. सेठ सुगंधा का उत्तर सुनकर आग-बबूला हो गया।
3. जीवन बड़ा महत्वाकांक्षी नवयुवक था।
4. विवाह के बाद जीवन और सुगंधा शहर से बहुत दूर, एक छोटी-सी झोंपड़ी में रहने लगे।
5. सेठ ने अपनी गलती सुधारने के लिए अपना सर्वस्व जीवन और सुगंधा को सौंप दिया।

लिखित कार्य

(ख) 1. सेठ ने जानना चाहा था कि उसकी बेटियाँ उससे कितना प्यार करती हैं।
2. सुनयना ने कहा कि पिता जी मैं आपको हीरे-जवाहरात से बढ़कर प्यार करती हूँ।
3. सेठ ने सुनयना और सुप्रिया का विवाह संपन्न परिवारों में करवा दिया।
4. भिखारी वास्तव में भिखारी नहीं था, वह शहर में काम ढूँढ़ने आया जीवन नाम का युवक था जिसे लाचार होकर भोजन के लिए भिक्षा माँगनी पड़ी।
5. सुगंधा ने अपने कुछ गहने बेचकर थोड़ी-सी ज़मीन किराये पर ली, और उसपर खेती करने लगे। खूब परिश्रम से काम करके धीरे-धीरे उन्होंने अपनी खेती बढ़ा ली। उन्होंने अपना परिश्रम साहस और दृढ़ता से जारी रखा।
6. सुगंधा पिता के प्रति अपनी भावना प्रकट करना चाहती थी। उसके पिता ने उसके द्वारा कहे शब्दों को नहीं समझा था, इसका उसे अफ़सोस था। अत: वह उन्हें अपने शब्दों का अर्थ समझाना चाहती थी। इसी वजह से उसने अपने पिता को खाने पर बुलाया।
7. जब सेठ की बेटी ने सेठ को बताया कि खाने में जिस प्रकार नमक महत्वपूर्ण है, उसी प्रकार उसके जीवन में अपने पिता का प्यार महत्वपूर्ण है, तब सेठ को अपनी गलती का अनुभव हुआ।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (ख) 4. (ख) 5. (ख)

(घ) 1. सुगंधा ने अपने पिता से।
2. सेठ ने अपनी बेटी सुगंधा से।

(ङ) 1. पुल्लिंग 2. पुल्लिंग 3. स्त्रीलिंग 4. पुल्लिंग 5. स्त्रीलिंग 6. पुल्लिंग

(च) 1. करण कारक 2. करण कारक 3. अपादान कारक 4. करण कारक
5. अपादान कारक

(छ) 1. बड़ी बेटी सुनयना ने कहा, "पिता जी, मैं आपको हीरे-जवाहरात से बढ़कर प्यार करती हूँ।"
2. मँझली बेटी सुप्रिया बोली, "पिता जी, मैं आपको अथाह सागर जितना प्यार करती हूँ?"

(ज) 1. ग्लानि – अफ़सोस
लज्जा – शर्म

2. अमूल्य – जिसका कोई मूल्य न हो
   बहुमूल्य – जिसका मूल्य बहुत अधिक हो
3. निमंत्रण – खाने पर बुलावा
   आमंत्रण – सामान्य बुलावा
4. ईर्ष्या – जलन की भावना
   द्वेष – दुर्भावना के कारण होने वाला पक्षपात

रचनात्मक कार्य

(झ) बच्चे कल्पना कर कहानी को दूसरा रूप दें।

- वे बताएँ कि बिना साहस के जीवन किस प्रकार का हो जाता है।
- जीवन में परिश्रम के महत्व को उजागर करें।
- अध्यापक/अध्यापिका कक्षा में पहले प्रश्न पर चर्चा अवश्य करें।

पाठ 17. पेड़

मौखिक कार्य

(क) 1. पेड़ कहीं भी आते-जाते नहीं हैं और खड़े-खड़े मुसकाते रहते हैं।
2. पेड़ हमें खाने के लिए फल देते हैं। फूल देते हैं। पर्यावरण को सुंदर बनाते हैं। वर्षा लाते हैं। धूप और बरसात से हमारी रक्षा करते हैं।
3. पेड़ सदैव प्रसन्न दिखाई देते हैं – रंग-बिरंगे फूलों से लदे तथा हरे-भरे।

लिखित कार्य

(ख) 1. पेड़ एक स्थान पर खड़े रहकर परोपकार का जीवन जीकर औरों के लिए धूप और वर्षा सहते हैं। इसलिए कवि ने इन्हें सैनिक की उपमा दी है।
2. पेड़ हमें सुंदर-सुंदर दृश्य दिखाते हैं। हरे-भरे, रंग-बिरंगे, मस्ती में झूमते पेड़ सदैव खिले हुए नज़र आते हैं।
3. पेड़ दूसरों के लिए अपना जीवन जीते हैं। फलों से झुके पेड़ देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि वे हमारे सामने झुक गए हैं। इस प्रकार वे हमें सज्जनता का पाठ पढ़ाते हैं।
4. कवि पेड़ों की इस बात से हैरान होते हैं कि पहले तो ये पेड़ वर्षा लाते हैं और फिर हमारे लिए छतरी भी बन जाते हैं।
5. पेड़ हमारे लिए बहुत कुछ करते हैं। हमें सुख और आराम देते हैं। हमें फल-फूल देते हैं। धूप से हमारी रक्षा करते हैं। इस प्रकार वे हमारा जीवन सरस बनाते हैं।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (ख) 4. (क) 5. (क)

(घ) इन पंक्तियों के द्वारा कवि हमें यह बताना चाहते हैं कि पेड़ हमारे लिए इतना कुछ करने के बाद भी हमसे किसी तरह की कोई अपेक्षा नहीं करते। फलों से लदकर झुके पेड़ देखकर ऐसा प्रतीत होता है, मानो वे सज्जन पुरुष की तरह झुक गए हों। ऐसा करके वे बहुत खुश होते हैं।

(ङ) 1. वृक्ष 2. वन 3. मेघ 4. चपला 5. बारिश 6. पुष्प

(च) 1. दुर्जनता 2. मृत्यु 3. धीमा 4. मुरझाना 5. कुरूप 6. नीरस

(छ) इसे बच्चे स्वयं करें।

(ज) 2. पहाड़ी 3. घंटी 4. टुकड़ी 5. नाली 6. रस्सी 7. जूती

रचनात्मक कार्य

(झ) 1. बच्चे अपनी कल्पना से उत्तर दें।
- प्रकृति का मूल-जीवन इन्हीं पेड़ों पर निर्भर है। यदि ये पेड़ न होते तो क्या होता?
- बच्चे आपस में विचार-विमर्श कर प्रश्न का उत्तर लिख सकते हैं।

2. बच्चे कल्पना करके बताएँ।
- वृक्षारोपण पर्यावरण में फैले प्रदूषण को दूर करने का उपाय है।
- आज के समय की माँग हैं ये पेड़।
- पेड़ लगाकर हम अपने भविष्य को सुरक्षित बनाएँगे।

पाठ 18. बीरबल की हाज़िरजवाबी

मौखिक कार्य

(क) 1. सभी दरबारी बीरबल से ईर्ष्या इसलिए करते थे क्योंकि बादशाह अकबर उन्हें अन्य दरबारियों से अधिक महत्व देते थे।

2. सभी ने एक स्वर में बादशाह अकबर से शिकायत की कि वे बीरबल को ही अधिक महत्व देते हैं जबकि दरबार में उससे अधिक पढ़े-लिखे लोग भी हैं।

3. अकबर ने बीरबल को सात दिन की छुट्टी देते हुए कहा कि जो भी दरबारी स्वयं को बहुत चतुर समझाता है वह बीरबल के स्थान पर काम करे तब उनमें और बीरबल में फर्क समझाया जाएगा।

4. चतुर मौलाना को अकबर ने महल के पीछे से आने वाली आवाज़ों के कारण की खोजबीन करने का काम सौंपा।

5. इसे बच्चे स्वयं करें।
– बच्चे जो भी उत्तर दें उनसे उसकी पुष्टि हेतु कारण भी बताने को कहें।

लिखित कार्य

(ख) 1. बादशाह अकबर को बीरबल प्रखर बुद्धि और हाज़िरजवाबी के कारण प्रिय थे।

2. दरबारी बीरबल के विरुद्ध बादशाह के कान भरने और उन्हें नीचा दिखाने के अवसरों की तलाश में रहते थे।

3. दरबारियों ने अकबर के सामने अपनी विद्वत्ता साबित करने का अवसर देने का प्रस्ताव रखा।

4. अकबर ने दरबारियों को स्वयं को बीरबल से बुद्धिमान और हाज़िरजवाब सिद्ध करने का अवसर देते हुए बीरबल को सात दिन की छुट्टी पर भेजते हुए उनके स्थान पर एक दरबारी को नियुक्त कर दिया। इसलिए सभी दरबारी खुश हो गए।

5. बादशाह ने मौलाना को काम देने के बाद–महल के पीछे से आने वाली आवाज़ों का कारण, कुतिया के कुल बच्चों की संख्या, उनमें नर और मादा की संख्या, नर और मादा बच्चों के रंग आदि प्रश्न पूछे।

6. मौलाना को चार बार चक्कर लगाने पड़े क्योंकि वे परिवेश के प्रति पूर्णत: जागरूक नहीं थे और जो पूछा जाता केवल उसी को देखकर लौट आते थे।

7. अकबर ने जो प्रश्न मौलाना से पूछे थे वही बीरबल से भी पूछे। मौलाना चार बार जाकर उन प्रश्नों के उत्तर दे पाए जबकि बीरबल ने एक ही बार में सब प्रश्नों के उत्तर दे दिए। इस प्रकार अकबर ने बीरबल की बुद्धिमानी को सबके सामने उजागर किया।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (क) 4. (क) 5. (क)

(घ) इसे बच्चे स्वयं करें।

(ङ) 1. अकबर ने दरबारियों से 2. अकबर ने मौलाना से 3. अकबर ने दरबारियों से
4. मौलाना ने अकबर से 5. बीरबल ने अकबर से

(च) 1. आओ 2. हो गए 3. दिए हैं 4. पूछे हैं 5. दे दी गई

(छ) 1. को, की 2. के 3. की 4. को, के 5. के, में, के, की

(ज) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(झ) कक्षा में चर्चा का आयोजन करें।

- अलग-अलग बच्चे के विचार जानें।
- बीरबल से प्रभावित होने के कारण जानें।
- बच्चों से कारणों की पुष्टि करने के लिए भी कहें।

पाठ 20. ऐ मेरे प्यारे वतन

मौखिक कार्य

(क) 1. कवि अपने प्यारे वतन को अपनी जान बता रहे हैं क्योंकि वह अपने देश को बहुत प्यार करते हैं।

2. अपने देश की हर बात कवि को इसलिए अच्छी लग रही है क्योंकि वह उससे प्रेम करता है।

3. अपने लोगों की याद मनुष्य को इसलिए तड़पाती है क्योंकि उन लोगों से वह दिल से जुड़ा होता है।

4. कवि इस गीत के माध्यम से अपने देश और अपने परिवार दोनों को ही याद कर रहे हैं।

लिखित कार्य

(ख) 1. कवि अपना दिल अपने देश पर न्योछावर करना चाह रहे हैं क्योंकि वे अपने देश को बहुत प्यार करते हैं।

2. कवि कह रहे हैं कि देश से आने वाली हवा को वे सलाम करते हैं और जिस जुबाँ पर उसका नाम आता है, उस व्यक्ति से भी वे बहुत प्यार करते हैं। इस प्रकार वे अपना प्यार देश के प्रति प्रकट करते हैं।

3. कवि को अपना देश अपनी माँ और बेटी के रूप में याद आता है।

4. कवि अपनी मृत्यु वहीं चाहते हैं, जहाँ उनका जन्म हुआ है।

5. 'कविता का परिचय' देखें।

(ग) 1. (क) 2. (क) 3. (क) 4. (क) 5. (क)

(घ) कवि अपने देश को याद करते हुए उसपर अपने-आप को कुर्बान करने की बात कर रहे हैं। कवि देश से दूर हर पल उसे याद कर रहे हैं। देश के प्रति अपना प्रेम प्रदर्शित करते हुए वे कहते हैं कि उनका देश उनकी इज़्ज़त है, उनकी जान है। वे अपने देश पर अपना सब कुछ न्योछावर करने को तत्पर हैं।

(ङ) 1. पुत्री 2. संध्या 3. देश 4. माता

(च) इसे बच्चे स्वयं करें।

(छ) 1. रक्षा 2. सबसे 3. वह 4. हमेशा 5. तुम 6. लग गया

(ज) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(झ) 1. बच्चे अपने विचारों को अभिव्यक्त करें।

- अपने देश के प्रति अपने प्रेम को स्पष्ट करें।
- विदेश और देश में से वे कहाँ बसना चाहेंगे और क्यों, इसपर अपने विचार स्पष्ट करें।

2. देश की अच्छी और बुरी बात के बारे में सोचें।

- देश के प्रति प्रेम भावना रखें। यह बात बच्चों को समझाएँ।
- विदेश का आकर्षण क्यों, इसपर वे अपने विचारों को स्पष्ट करें।